विश्व हिन्दी न्यास

World Hindi Foundation, Inc.

न्यास समाचार वर्ष 7 अंक 2 मई-जून, सन् 2,006 संपादक - राम चौधरी

नए आजीवन सदस्य

डा. कुलभूषण एवं श्रीमती राका गुलाटी (किंग्सटन, न्यू यार्क), सुश्री अरुणा सूद (लेटनविल, मैरीलैन्ड), श्री नितिन एवं डा. सुधा पुरोहित, (ट्रॉय, मिशिगन), श्री पुरुषोत्तम एवं श्रीमती कुसुम शर्मा (ब्लूमफ़ील्ड, मिशिगन)।

सम्मान - डा. वेद चौधरी

भारतीय समाज के लिए यह गौरव का विषय है कि निदेशक मंडल के सदस्य *डा. वेद चौधरी को न्यू जर्सी के गवर्नर, माननीय जॉन कोरज़ाइन, ने न्यू जर्सी के वातावरण संरक्षण विभाग के सहायक कमिश्नर के पद पर नियुक्त किया है।* इस पद पर नियुक्त होने वाले वे एशिया के पहले व्यक्ति हैं। उनके दायित्वों में, व्यवसायिक सुरक्षा, वित्त, मानव संसाधन, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य आदि विभाग आते हैं। संरक्षण विभाग की कमिश्नर सुश्री लीसा जैकसन ने, इस नियुक्ति की प्रशंसा करते हुए कहा कि *डा. चौधरी की नियुक्ति एशियाई मूल के आप्रवासियों के महत्वपूर्ण योगदान की स्वीकृति है।* यह नियुक्ति मंत्रिमंडल से एक श्रेणी नीचे है, इसके लिए राज्य की असेम्बली के अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है। उनका कार्यालय राज्य की राजधानी ट्रेन्टन में है।

डा. वेद चौधरी रटगर्स विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ़ ट्रस्टी सदस्य भी रह चुके हैं। लगभग 25 वर्ष तक उन्होंने बैल टैलिफ़ोन लैबोरटीज़, बैलकोर कार्पोरेशन, टैलीकोर्डिया कार्पोरेशन जैसे बहुराष्ट्रीय कार्पोरेशनों में उच्च प्रशासनिक पदों पर काम किया है। उन्हें करोड़ों डालर की तकनीकी योजनाओं के प्रबंधन का दीर्घकालीन अनुभव है। वे इन्डियन फ़ोरम फ़ौर पोलिटीकल एजुकेशन तथा एक्शन नामक संस्था की न्यू जर्सी स्टेट की शाखा के संस्थापक अध्यक्ष हैं।

न्यास की ओर से डा. वेद चौधरी तथा उनकी धर्मपत्नी रजनी को हार्दिक बधाई तथा उज्वल भविष्य की मंगल कामनायें।

न्यास का वार्षिक अधिवेशन

न्यास का वार्षिक अधिवेशन, *संभवत:* अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में सेन्ट्रल न्यू यार्क में होगा। अधिवेशन का प्रतिपाद्य विषय है - *महात्मा गान्धी तथा हिन्दी।* सदस्यों को यथाशीघ्र स्थान, तिथि तथा कार्यक्रम की सूचना दी जायगी, तथा न्यास समाचार के आगामी अंक में न्यास के वार्षिक अधिवेशन की विस्तृत जानकारी दी जायगी।

श्री राम स्वरूप आर्य - एक यथार्थ स्वप्नद्रष्टा

जैसा पहले लिखा जा चुका है, अमेरिका के कुछ भारतीय आप्रवासी ऐसे हैं, जिन्होंने अमेरिका को अपनी कर्मभूमि बनाया, अपने परिश्रम तथा योग्यता से समृद्ध बने, और अमेरिका में ख्याति पाई, परन्तु अपनी जन्मभूमि भारत को नहीं भुलाया। न्यू जर्सी के निवासी श्री राम स्वरूप आर्य की गणना ऐसे व्यक्तियों में होती हैं, वे अपनी जन्मभूमि, हिसार ज़िले के, कालीरावन गांव में एक मिलियन की लागत से, अपने पिता जी के नाम पर, *सुखराम इन्टर कालेज* की स्थापना कर रहे हैं। इस का शुभारम्भ सन् 2001 में किया गया था, और वे सन् 2010 तक प्रतिवर्ष एक लाख डालर का अनुदान देंगे।

28 एकड़ में फैले स्कूल के कैम्पस का आच्छादित क्षेत्रफल (covered area) 44,000 वर्ग फ़ीट होगा। पिछले वर्ष कर्मचारियों के निवास स्थान के क्वाटर्स की आधार शिला, *करोड़पति फ़कीर*, प्रोफ़ेसर घासी राम वर्मा ने रखी। *स्मरण रहे, नवम्बर-दिसम्बर, 2005 के न्यास समाचार में प्रोफ़ेसर वर्मा के बारे में लिखा गया था।*

श्री राम स्वरूप जी का जन्म एक साधारण जाट परिवार में हुआ था। बाल्यकाल से ही वे अत्यन्त मेधावी छात्र थे। गांव के बहुत कम बच्चे स्कूल जाते थे। उन्होंने अत्यन्त विषम परिस्थितियों में, नंगे पांव स्कूल जाकर, हाई स्कूल की परीक्षा पास की। सन् 1966 में उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक परीक्षा पास की, वे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए, तथा विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उन्हें

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में व्याख्याता के पद पर नियुक्ति मिली परन्तु, उसे छोड़कर, उन्होंने चार वर्ष तक, छोटूराम पोलीटैक्निक में अध्यापन किया।

सन् 1970 में श्री आर्य उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका आए। पौलिटैक्निक इन्स्टीट्यूट ऑफ़ न्यू यार्क से संरचनात्मक तथा आधार अभियांत्रिकी (Structural and Foundation Engineering) में मास्टर्स की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात उन्होंने परामर्शक अभियांताओं Consulting Engineers) की एक इन्जीनियरिंग कम्पनी में काम किया। यह कम्पनी भवन, रेलवे, औद्योगिक, शक्ति संयंत्र (Industrial and Power Plants) के अभिकल्प (design) का काम करती है। चार वर्ष पश्चात, सन् 1985 में कम्पनी की नौकरी छोड़कर उन्होंने अपनी धर्मपत्नी, संतोष, के साथ, आर्य प्रोपरटीज़ नामक नई निजी कम्पनी की स्थापना की, वे इस कम्पनी के अध्यक्ष हैं। कम्पनी का काम है, मकान बनाने के लिए भूमि का विकास करना तथा मकान बनाना। यह कम्पनी अमेरिका के दो राज्यों, न्यू जर्सी तथा फ़्लोरिडा में पंजीकृत है, इसके द्वारा, सैकड़ों मकानों का निर्माण किया गया हैं। श्री आर्य को गोल्फ़ खेलने का बहुत शौक़ है, एक समय वे चार गोल्फ़ कोर्सों के मालिक थे।

श्री आर्य को अमेरिका में अनेक सम्मानों से विभूषित किया गया है, अनेक समाचार पत्रों तथा पत्रिकाओं में उनके बारे में लेख लिखे गए है। सन् 1994 में उन्होंने कई मित्रों के सहयोग से एक समाजसेवी संस्था की स्थापना की - इसका नाम है - नॉर्थ अमेरिकन जाट चैरिटींज (NAJC)। अभी तक इस संस्था ने, भारत के तीन राज्यों, हरियाना, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियो तथा शिक्षा संस्थानों को पांच लाख डालर से अधिक का अनुदान दिया है। उदारवृत्ति के दम्पत्ति श्री आर्य तथा उनकी धर्मपत्नी संतोष भारत तथा अमेरिका के परोपकारी कामों में मुक्त रूप से अनुदान देते हैं। *श्री राम स्वरूप आर्य सरल स्वभाव के कर्मठ व्यक्ति हैं, वे कहते हैं - मैं अकेले, समाज की सभी समस्याओं का हल नहीं निकाल सकता, परन्तु हम सब मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं।*

शाखा समाचार

बफ़लो शाखा - प्रस्तुति मीना रस्तगी

25 मार्च सन् 2006 को बफ़लो के हिन्दी समाज द्वारा होली का पर्व मनाया गया। मीना जी हिन्दी समाज की प्रचार समिति की अध्यक्ष तथा विश्व हिन्दी न्यास की बफ़लो शाखा की निदेशक हैं। समारोह के दौरान उन्होंने न्यास के लक्ष्य तथा उद्देश्यों की चर्चा की तथा न्यास के प्रकाशनों के बारे में बताया, और उपस्थित व्यक्तियों से अनुरोध किया कि वे न्यास के सदस्य बनें। समारोह में ग्यारह वर्षीय बालक, *चमन शर्मा* ने होली पर्व के बारे में मनोरंजक सामग्री प्रस्तुत की।

मार्लबोरो शाखा - प्रस्तुतिः वेद चौधरी

25 मार्च, 2006 को दो बजे से चार बजे अपरान्ह तक डफ़ीनो सेन्ट्रल स्कूल के सभागार में होली का एक रंगीला उत्सव आयोजित किया गया, इसके पश्चात स्कूल के भोजन कक्ष में होली के पकवान परोसे गए। इस आयोजन में विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, शिक्षकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। हिन्दी स्कूल के लगभग 50 बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रहसन, कवितायें, संगीत, नृत्य तथा वेश-भूषा प्रदर्शन आदि एकक (item) प्रस्तुत किये। आयोजन को सफल बनाने में *श्रीमती माधुरी मित्तल तथा श्रीमती नीति शाह* का विशेष स्थान है। इस आयोजन का पूरा व्यय अभिभावक कोष से किया गया।

भारतवंशियों के अतिरिक्त आयोजन में शिक्षा संबंधित निम्नलिखित अधिकारी भी उपस्थित थे - *स्कूल प्रन्सिपल डा. सन्ड्रा मौरिस, सुपरिन्टेन्डेन्ट ऑफ़ स्कूल्स डा. एबट तथा उनकी धर्मपत्नी, डाइरेक्टर जन सम्पर्क श्रीमती इल्से वाइसनर, तथा न्यू जर्सी स्टेट सैनेटर एलेन कार्चर। वेद चौधरी* ने अतिथियों का परिचय दिया, तथा *डा. बिशन अग्रवाल* ने विद्यार्थियों को भव्य प्रदर्शन के लिए बधाई दी, तथा अभिभावकों और अतिथियों को समारोह में आने के लिए धन्यवाद दिया।

सम्मान - श्री गुलाब खंडेलवाल
प्रस्तुति - श्रीमती प्रतिभा पालीवाल

महाकवि गुलाब खंडेलवाल को मैरीलैन्ड में इन्डियन सोसाइटी के तत्वावधान में मैरीलैन्ड के गवर्नर तथा भारतीय राजदूत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह 2006 में *कवि सम्राट* की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हाउस तथा सेनेट के अनेक सदस्य भी उपस्थित थे। तत्पश्चात विभिन्न कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भारतीय नृत्य तथा गीतों ने इस

आयोजन में चार-चांद लगा दिये।

अमेरिका का साहित्य समाज गुलाब जी से सुपरिचित है। अब तक उनके 50 से अधिक काव्य-ग्रंथ प्रकाशित हो चुके हैं। उनके गीत तथा ग़ज़लें भारत और अमेरिका दोनों देशों में लोकप्रिय हैं, और विभिन्न अवसरों पर विभिन्न गायकों द्वारा उनक गायन होता हैं।

ज्ञातव्य है कि गुलाब जी को सन् 1985 में बाल्टीमोर की आनरेरी नागरिकता भी प्रदान की गई थी, और मैरीलेन्ड के तत्कालीन गवर्नर ने उनके सम्मान में 6 दिसम्बर 1986 को समस्त राज्य में हिन्दी दिवस की घोषणा की थी।

हम महाकवि गुलाब खंडेलवाल को कवि-सम्राट की उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हैं।

उर्दू पर सहयोग बढ़ाने की पहल

(31 मई 2006, बी. बी. सी. हिन्दी कॉम से साभार)

हैदराबाद में स्थित मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय अब उर्दू भाषा में उच्च और तकनीकी शिक्षा के उत्थान के लिए नए अवसर तलाश कर रहा है। देश में यह उर्दू का एकमात्र विश्वविद्यालय है जिसने काफ़ी तेज़ी से अपने आप को स्थापित किया है। अब यह उर्दू विश्वविद्यालय पाकिस्तान उर्दू विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग का इच्छुक है ताकि उनसे पाठ्य पुस्तकें, अध्ययन सामग्री ली जाय जो भारत में उर्दू छात्रों, विशेषकर उर्दू विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए लाभदायक हो सके।

मौलाना आज़ाद उर्दू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर पठान ने बीबीसी को बताया कि भारत सरकार ने पाकिस्तान जाने और पाकिस्तानी विश्वविद्यालय के साथ बातचीत से संबंधित उनके सुझाव को मंज़ूरी दे दी है, और उनके नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल बहुत जल्द पाकिस्तान का दौरा करेगा।

प्रोफ़ेसर पठान ने बताया कि भारत में एकमात्र युनिवर्सिटी है जिसमें उर्दू के माध्यम से शिक्षा दी जाती है। इसी प्रकार पाकिस्तान में फ़ैडरल युनिवर्सिटी ऑफ़ साइन्स और टैक्नोलोजी और अल्लामा इक़बाल युनिविर्सिटी है जिसमें शिक्षा का माध्यम उर्दू है।

रोचक बात यह है कि उर्दू का यह विश्वविद्यालय उस ऐतिहासिकनगर हैदराबाद में है, जहां कभी उर्दू का पहला विश्वविद्यालय उस्मानिया विश्वविद्यालय स्थापित हुआ था, इसमें इन्जिनियरिंग तथा चिकित्सा की शिक्षा भी उर्दू भाषा में दी जाती थी। हैदराबाद कैम्पस के अलावा 15 राज्यों में उस विश्वविद्यालय के तक़रीबन 100 शिक्षण केन्द्र और क्षेत्रीय केन्द्र चल रहे हैं। यह विश्वविद्यालय पाकिस्तान तथा भारत के बीच सम्पर्क की कड़ी बनेगा।

न्यू जर्सी का हिन्दी महोत्सव

वेस्ट-विन्डसर प्लेन्सबोरो हाई स्कूल में 20 मई सन् 2006 को हिन्दी का पांचवां महोत्सव मनाया गया। इस आयोजन में लगभग 1,000 व्यक्ति शामिल हुए, यह ग्यारह घंटे चला। पहले दौर में 15 हिन्दी विद्यालयों के 170 से अधिक विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतियोगितायें, तथा उनके सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई। तत्पश्चात, गण्यमान्य व्यक्तियों, न्यू जर्सी असेम्बलीमैन श्री उपेन्द्र शिवकुला तथा रेटपेयर एडवोकेट श्रीमती सीमा सिंह के अभिभाषण हुए। दूसरे दौर में भोज, तथा विख्यात हास्य अभिनेता राजू श्रीवास्तव तथा प्रसिद्ध कवि श्री राजेश चेतन तथा श्री सत्यनारायण मौर्य (बाबा) द्वारा ओजस्वी कवितापाठ हुआ।

हिन्दी साहित्यकार डा. कमल किशोर गोयनका

हिन्दी प्रेमियों के लिए हिन्दी के प्रतिष्ठित साहित्यकार डा. गोयनका का अमेरिका आगमन हर्ष का विषय है। उनका शोधकार्य हिन्दी के यशस्वी साहित्यकार प्रेमचंद के जीवन, विचार तथा साहित्य पर आधारित है। अभी तक वे 50 से अधिक पुस्तकें तथा शोधग्रंथ प्रकाशित कर चुके हैं। डा. गोयनका ने दिल्ली विश्वविद्यालय से हिन्दी में पीएच. डी. तथा डी. लिट. की उपाधियां प्राप्त की, तथा दिल्ली के ज़ाकिर हुसैन कालेज में 35 वर्ष अध्यापन एवं शोधकार्य किया।

डा. गोयनका देश-विदेश के अनेक हिन्दी संस्थानों से सम्बद्ध हैं, वे अमेरिका, इंगलैन्ड, चीन, जापान, सूरीनाम. फ़िजी, ट्रिनीडाड आदि देशों में हिन्दी साहित्य के विकास की योजनाओं से जुड़े हैं। उन्हें अनेक सम्मानों से विभूषित किया गया है - कुछ नाम हैं - केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा का पंडित राहुल सांस्कृत्यायन पुरस्कार, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ का साहित्य भूषण सम्मान तथा भारतीय भाषा परिषद कलकत्ता का नथमल भुवालका सम्मान। न्यास की ओर से उनका स्वागत।

World Hindi Foundation, Inc.

A Tax-Exempt Charitable &
Educational Foundation (ID 31-1679275)
Website: www.worldhindifoundation.org

Board of Directors

Executive Director : Ram Chaudhari
54 Perry Hill Road, Oswego, NY, 13126
Ph: (315) 343-3583 (R), (315) 312-2676 (W)
Fax: (315) 312-5424 Email: chaudhar@oswego.edu
Secretary: Kailash Sharma
140-24G, Donizetti Pl., Bronx, NY 10475
Ph: (718) 379-5449 (R), 718) 595-5190 (W)
Email: KCSharma@aol.com
Treasurer: Pradeep Agarwal
3611 H. Hudson Pkwy #9A, Riverdale, NY 10463
Ph. (718) 548-7532, Email: pnagarwal@cs.com
Shashi Agarwal (NJ) (732) 206-1848
Ved Chaudhary (NJ) (732) 972-1489
Padmini Prasad (NY) (845) 297-1668
L. P. Sharma (NY) (315) 682-5742
Anchala Sobrin (NY) (845) 226-2542
Shyam Shukla (CA) (510) 770-1218

International Coordinator: Suresh Rituparna Ph: 81 422 226450

Chapter Directors

Bishan Agrawal, Marlboro (NJ) (732) 536-2688
Kamla P. Gupta Chicago (IL) (847) 612-4244
Seema Khurana, Poughkipsee (NY) (845) 227-8605
Anil Kumar, San Ramone (CA) (408) 393-9730
Meena Rustgi Buffalo (NY) (716) 632-5768
Shukla Shah New York (NY) (718) 539-9729

हिन्दी जगत
प्रकाशन - जनवरी, अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर
Editorial Board
Chief Editor: Ram Chaudhari
54 Perry Hill Road, Oswego, NY 13126
Managing Editor: Prof. Suresh Rituparna
B-203, 2-16-1 Kichijoji, Higashhi-cho, Musashino-shi, Tokyo 180-0002, Japan, Phone: 81-422-22-6450
Shyam Shukla
44949 Couger Circle, Fremont, CA 94539 Ph. (510) 770-1218
Mithilesh Sharma
3 B Vail Street, Norwalk, CT 06850 Ph. (203) 750-0728
Advisors
N. P. Kumar, B-30 Manas Apartments, Mayur Vihar Phase I (Ext) Delhi, 110091, India
Phone: 011-91-112-271-8748
Prof. Ramakant Sharma 33 Tulip BunglowNo 2, Near Surdhara Cir. Thaltej, Ahemdabad, 380 054

न्यास का लक्ष्य
विश्व में हिन्दी का बोध तथा प्रयोग

न्यास के उद्देश्य

1. स्कूलों, कालेजों तथा सामुदायिक शिक्षा संस्थानों में हिन्दी शिक्षण को प्रोत्साहन, तथा विश्वविद्यालयों में हिन्दीपीठों (Hindi Chairs) की स्थापना में योगदान
2. हिन्दी को संयुक्तराष्ट्र की एक अधिकृत भाषा बनाने की दिशा में प्रयत्न
3. भारतीय संस्कृति में निहित मूल्यों का प्रचार

न्यास की सदस्यता

हर व्यक्ति जो न्यास के लक्ष्य तथा उद्देश्यों से सहमत है, न्यास का सदस्य बन सकता है। सदस्यता की दो श्रेणियां हैं -

1. सदस्य वार्षिक $25, विद्यार्थी $12 आजीवन $250
2. दाता सदस्य - इनकी पांच श्रेणियां हैं -

हिन्दी रत्न	$20,000 अथवा इससे अधिक
हिन्दी संरक्षक	$10,000 अथवा इससे अधिक
हिन्दी हितकारी	$5,000 अथवा इससे अधिक
हिन्दी मित्र	$2,500 अथवा इससे अधिक
हिन्दी शुभचिंतक	$1,000 अथवा इससे अधिक

अतिरिक्त अनुदान $_____

कृपया किसी एक श्रेणी पर निशान लगाइए, तथा प्रदीप अगरवाल (Treasurer) के पास चैक द्वारा भेजिए।

Name
Street
City State Zip code
Phone Numbers: Home Office
Email address Date:
Member's Signature

बाल हिन्दी जगत - सम्पादिका अंचला सोब्रिन
Subscription : $10 For Members, $15 to Non-members
Please Write Check to World Hindi Foundation & Send to:
Anchala Sobrin, 20 Presidential Way, Hopewell Junction, NY 12533. Phone : (845) 226-2542

विज्ञान प्रकाश
विश्व हिन्दी न्यास की वैज्ञानिक पत्रिका
मुख्य संपादक - राम चौधरी chaudhar@oswego.edu

BULK RATE

Return Address
54 Perry Hill Road
Oswego, NY 13126

U.S.POSTAGE
PAID
Permit # 567
Oswego, N. Y.